तितली और कली

हरी डाली पर लगी हुई थी,
नन्ही सुंदर एक कली
तितली उससे आकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भोली ।

अब जागो तुम आँखें खोलो,
और हमारे संग खेलो ।
फैले सुंदर महक तुम्हारी,
महके सारी गली गली ।

कली छिटककर खिली रंगीली,
खेल की बात सुनकर बोली
फिर हवा के साथ लगी भागने,
तितली छूने उसे उड़ चली ।

शब्द-अर्थ

नन्ही - छोटी

कली - न खिला हुआ फूल

भली - अच्छी, सुंदर

महक - गंध

छिटककर - फैलकर

रंगीली - सुंदर, खुश

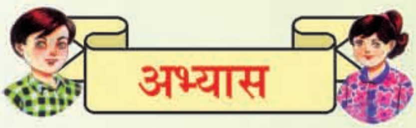

सोचो और बताओ :

१. कली कहाँ लगी हुई थी ?

२. कली कैसी थी ?

३. तितली कली के पास क्यों गई ?

४. तितली के क्या कहने पर कली खुश हो गई ?

५. खेल की बात सुनकर कली ने क्या किया ?

६. कली कैसे खिल उठी ?

७. तितली और कली ने क्या खेल खेला ?

८. अधूरे अंशों को पूरा करो :

क) फैले सुंदर _____ तुम्हारी ।

ख) तितली _____ उसे उड़ चली ।

अंदाजा लगाओ :

- तितली कली के पास कब गई होगी ?

  सुबह ☐ दोपहर ☐ शाम ☐

- तुमने तितली के जाने के समय का अंदाजा कैसे लगाया ?
- तुम अपना समय कैसे जान जाते हो ?

मिलते-जुलते शब्द :

कविता में ये शब्द आए हैं - कली, भली, गली

ये शब्द सुनने में अच्छे लगते हैं

१. नीचे दिए गए शब्दों की तरह तुम भी कुछ शब्द बनाओ :

बोलो	तितली	डाली	महक
____	____	____	____
____	____	____	____
____	____	____	____

फूल :

१. तुम अपने आस-पास के पाँच महकदार फूलों के नाम बताओ ।

२. तुम अपने आस-पास के ऐसे पाँच फूलों के नाम बताओ जिनकी कोई महक न हो ।

हरी डाल :

इस कविता में डाली का रंग हरा बताया गया है ।

१. नीचे लिखी चीजें किन-किन रंगों के हो सकते हैं ?

_____ टमाटर	_____ संतरा	_____ मिट्टी
_____ कागज	_____ साग	_____ केला

शब्दों का उलट फेर :

इस कविता में यह वाक्य आया है - तुम लगती हो बड़ी भोली । हम इसको गद्य-भाषा में कहेंगे - तुम बड़ी भोली लगती हो ।

१. नीचे कुछ वाक्य कविता की भाषा में दिए गए हैं । उन्हें गद्य-भाषा में लिखो :

फैले सुंदर महक तुम्हारी ।

फिर हवा के साथ लगी भागने ।

तितली छूने उसे उड़ चली ।

चन्द्रबिन्दु-अनुस्वार :

इस कविता में एक शब्द आया है - आँख

यहाँ 'आ' पर ' ँ ' (चन्द्रबिन्दु) है ।

एक शब्द आया है - सुंदर ।

यहाँ 'सु' पर ' ं ' (अनुस्वार) है ।

१. नीचे चन्द्रबिन्दु वाले और अनुस्वार वाले कुछ शब्द मिलकर आए हैं। उनकी अलग-अलग सूची बनाओ :

कलियाँ, साँप, चंदन, काँच, कंपन, चंपा, पाँच, हंस, रंग, बाँस, हंसी, वहाँ, कहाँ, कंगन, छाँह, वंश, शंका

शब्द और उनके गुण :

इस कविता में ये शब्द आए हैं - नन्ही कली,

नन्ही कली - 'नन्ही' 'कली' का आकार (एक गुण) है ।

सुन्दर महक - 'सुन्दर' 'महक' का एक गुण है ।

नीचे 'क' स्तंभ में कुछ गुण और 'ख' स्तंभ में कुछ शब्द दिए गए हैं। गुणों के साथ सही शब्द मिलाओ :

'क'	'ख'
सुंदर	छड़ी
नीला	घास
हरी	फूल
लम्बी	आकाश

तुम्हारे लिए काम :

तुम अपने आसपास के फूलों के नाम अपनी कॉपी में लिखकर रखो ।